हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 16 नवंबर 2025

तापमान
अधिकतम 27 .5 डिग्री
न्यूनतम 6 . 0 डिग्री

12 पुलिस का ऑपरेशन ट्रैक डाउन, इनामी सहित तीन आरोपी चढ़े हत्थे, डीजीपी के आदेश पर बढ़ी सक्रियता

12 बिहार में एनडीए की जीत ने बढ़ाया पीएम मोदी का कद : आरती राव

दो दर्जन से अधिक सड़कों की हालत खस्ता, ज्यादा खराब सड़कों पर ही विभाग का जोर

करीब आ रहा कोहरे का सीजन, बदहाल सड़कों के लिए बजट नहीं, बनी रहेगी हादसों की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कोहरे की शुरूआत होने में ज्यादा समय नहीं बचा है। विजिबिलिटी कम होने के बाद टूटी सड़कों पर हादसों की आशंका ज्यादा रहती है। लोक निर्माण विभाग से लेकर एनएचएआई की सड़कें बदहाल बनी हुई हैं। लोक निर्माण विभाग ने बदहाल सड़कों को चिन्हित तो कर लिया है, परंतु सभी सड़कों को एक साथ सुधारने के लिए विभाग के पास पर्याप्त बजट ही उपलब्ध नहीं है। कोहरे का सीजन शुरू होने के साथ ही सड़क हादसों में वृद्धि होना शुरू हो जाता है। इन हादसों के पीछे टूटी सड़कों की भूमिका भी कम नहीं होती। मानसून के सीजन में बारिश सड़कों को बदहाल बनाने का काम करती है। इस समय जिले में 100 से अधिक सड़कों को चिन्हित किया गया है, जिनकी मरम्मत की तुरंत दरकार है। लोक निर्माण विभाग की ओर से 92 सड़कों की मरम्मत के लिए लगभग 40 करोड़ रुपये का बजट तय किया हुआ है। सड़कों के ठेके अलग-अलग ठेकेदारों को दिए जा रहे हैं। विभाग ने इन सड़कों के अलावा 15 अन्य सड़कों को चिन्हित तो कर लिया है, परंतु फिलहाल विभाग के पास इन सड़कों का निर्माण कराने के लिए बजट ही नहीं है। बजट नए साल में मिलने की संभावना है, तब तक लोगों को खतरनाक सड़कों का सामना करना पड़ेगा। कई सड़कों में मोटे-मोटे गड्ढे बन चुके हैं, जो कोहरे के समय बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। बारिश की स्थिति में यह गड्ढे पानी एकत्रित होने के बाद और भी खतरनाक हो जाते हैं। गड्ढे दिखाई नहीं देने से वाहन इनमें जाकर हादसों का शिकार हो जाते हैं। खासकर दुपहिया वाहन चालकों को क्षतिग्रस्त सड़कों पर ज्यादा खतरा बना रहता है।

इस समय जिले में 100 से अधिक सड़कों को चिन्हित किया गया है, जिनकी मरम्मत की तुरंत दरकार

रेवाड़ी। जैसलमेर नेशनल हाइवे से गायब बीच की सफेद पट्टी, बाईपास फ्लाईओवर पर खराब सड़क पर लगाए गए अवरोधक।

डैजेज सड़कों पर तेजी से होगा कार्य

लोक निर्माण विभाग की ओर से 100 से अधिक सड़कों को चिन्हित करने के बाद इनका निर्माण कराया जा रहा है। 15 सड़कें ऐसी हैं, जो बजट के कारण अगले साल मार्च माह तक ही बन पाएंगी। अन्य सड़कों को फॉगी सीजन से पहले ठीक कराया जाएगा।

-सत्येंद्र कुमार, एक्सईएन, पीडब्ल्यूडी।

कुंड से जाटूसान तक रोड बदहाल

जैसलमेर नेशनल हाइवे से कुंड होकर डहीना और जाटूसाना के रास्ते रोहतक नेशनल हाइवे को जोड़ने वाले रोड की हालत इस समय सबसे खराब है। इस रोड से बड़ी संख्या में ओवरलोड डंपरों का आवागमन होता है। खोल और मंढोला के बीच तथा ढाणी ठेठेरबाढ़ के पास दो स्थानों पर कोर्ट केस के चलते सड़क निर्माण लंबे समय अधूरा पड़ा हुआ है। यह सड़क कई स्थानों पर टूटी हुई है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अन्य सड़कों का भी यही हाल है।

रेवाड़ी। बाईपास पुल के नीचे जर्जर अवस्था में भाड़ावास रोड। फोटो : हरिभूमि

पुरानी सड़कों की पट्टियां भी गायब

सड़कों का निर्माण कराने के बाद एनएचएआई या लोक निर्माण विभाग इन पर पीली व सफेद पट्टियां बनवाते हैं। यह पट्टियां रात व कोहरे के समय वाहन चालकों के लिए काफी कारगर साबित होती हैं। पुरानी सड़कों से यह पट्टियां गायब हो चुकी हैं या फिर काफी कमजोर हो गई हैं। कई सड़कों की मरम्मत के बाद पट्टी नहीं बनाई गई है, जिससे रात के समय सड़कों पर हादसों की आशंका बनी रहती है। जैसलमेर नेशनल हाइवे पर कई जगह पट्टियां गायब हो चुकी हैं।

ट्रैफिक पुलिस कर रही एक्सरसाइज

बदहाल सड़कों के कारण होने वाले हादसों को टालने के लिए ट्रैफिक पुलिय ने कोहरे के सीजन को देखते हुए एक्सरसाइज शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से टूटी सड़कों के बारे में संबंधित विभागों को सूचित किया जाता है, जिसके बाद विभाग गड्ढों को भरवाने की औपचारिकता पूरी करता है। पुलिस की ओर से घुमावदार सड़कों पर ब्रेकर बनाने से लेकर सांकेतिक बोर्ड और रिफ्लेक्टर तक लगवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखे हुए हैं।

डीसी के साथ मीटिंग में उठाया मुद्दा

डीसी के साथ सड़क सुरक्षा को लेकर हुई मीटिंग में टूटी सड़कों का मुद्दा उठाया जा चुका है। यह कार्य संबंधित विभागों को करना है। ट्रैफिक पुलिस कोहरे के सीजन को देखते हुए जल्द रिफ्लेक्टर लगवाने का कार्य शुरू करेगी।

-पवन कुमार, डीएसपी ट्रैफिक।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हादसे के बाद 21 अक्टूबर को चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने खिजूरी निवासी सोनू को गिरफ्तार किया है। तफतीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

दहेज उत्पीड़न मामलों में दो गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो विवाहिताओं की शिकायत के आधार पर अलग-अलग मामले दर्ज किए थे। मामले दर्ज करने से पहले पुलिस ने समझौता कराने के प्रयास किए थे। 13 नवंबर को दर्ज किए गए मामले में पुलिस ने धारूहेड़ा के बास रोड निवासी दीपक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 18 नवंबर को दर्ज मामले में भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

लूट मामले में आरोपी को काबू किया

रेवाड़ी। कसोला थाना पुलिस ने करीब तीन साल पहले हथियारों के बल पर लूट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 6 जनवरी 2022 को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब एक आरोपी नूंह के छारोरा निवासी जमशेद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आर्म्स एक्ट का आरोपी चढ़ा हत्थे

रेवाड़ी। कसोला पुलिस ने आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में दर्ज एक मामले के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति के बयान पर 6 नवंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस ने मामले के अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। एक आरोपी पातुहेड़ा निवासी अनिल फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

आपसी विवाद में काबू किए दो आरोपी

कुंड। थाना खोल पुलिस ने आपसी विवाद में झगड़े की आशंका को देखते हुए निवारक कार्यवाही के तहत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो पक्षों के बीच विवाद के चलते सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। दोनों पक्षों में समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने बासदुधा निवासी नरेश और खालेटा निवासी सुनील को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज

बावल। नारनौल रोड बाइपास पर हुए सड़क हादसे के बाद पुलिस ने एक ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। शुक्रवार की रात कसोला चौक के पास एक ट्रक के अचानक ब्रेक लगने से कार ट्रक में घुस गई। इस हादसे में कार में सवार लोग तो बच गए, परंतु गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चालक हादसे के बाद ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मेघवाल समाज की बैठक करनावास में आज

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने बताया कि मेघवाल समाज की बैठक 16 नवम्बर को करनावास में मेघवाल सभा का आयोजन होगा। इस मीटिंग में सभी पदाधिकारी और सदस्य हिस्सा लेंगे।

लिसाना नहर में गिरा असंतुलित ट्रॉला चालक गंभीर रूप से हुआ घायल

■ ट्रॉले में फंसे चालक को बाहर निकालकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रोहतक नेशनल हाइवे पर लिसाना के पास एक ट्रॉला संतुलन बिगड़ने के बाद नहर में गिर गया। ट्रॉला बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चालक को गंभीर चोटें आई हैं। उसे ट्रॉमा सेंटर में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। शनिवार सुबह एक ट्रॉला रोहतक से रेवाड़ी की ओर आ रहा था। जब ट्रॉला लिसाना के पास पहुंचा, तो अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया। ट्रॉले का अगला हिस्सा नहर में गिर गया। तेज आवाज होने के कारण आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने के बाद रोहड़ाई पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। ट्रॉले में फंसे चालक को बाहर निकालकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार होने के कारण ओवरटेक करते समय ट्रॉले का संतुलन बिगड़ गया, जिससे यह हादसा हो गया।

रेवाड़ी। लिसाना नहर में गिरे ट्रॉले को देखते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

डिवाइडर से टकराकर कार में लगी आग बाल-बाल बचे चालक व अन्य लोग

रेवाड़ी। जैसलमेर नेशनल हाइवे से रोहतक रोड को जोड़ने वाले आउटर बाईपास पर शुक्रवार की रात ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से एक आर्टिगा कार डिवाइडर से टकरा गई। इससे कार में आग लग गई। कार में सवार चालक सहित सभी लोग सुरक्षित बच गए, परंतु कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। कसोला पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी। गांव पदैयावास निवासी एक युवक अपनी कार से रात को कहीं जा रहा था। कार में उसके तीन साथी भी सवार थे। जब कार शहबाजपुर खालसा के पास पहुंची तो साइड लेते समय आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। ट्रक से बचाने के चक्कर में कार डिवाइडर से टकरा गई। उसमें सवार सभी युवक कार से बाहर निकल गए। सीएनजी की होने के कारण कारण में तुरंत आग लग गई। देखते ही देखते कार जलकर राख हो गई। सूचना मिलते ही रात को कसोला थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी।

विवेकानंद स्कूल में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद चीफ गेस्ट व स्कूल स्टाफ के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। लाखनौर स्थित विवेकानंद पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएमसी ब्रह्मप्रकाश किया। कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां शामिल रहीं, जिसमें जूनियर विंग में पोयम रीसाइटेशन, फैन्सी ड्रेस, फैशन परेड, ग्रुप डांस व लघु नाटिका तथा सीनियर विंग में स्केच मेकिंग, फायरलेस कुकिंग, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट आदि रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यार्थियों ने अपने भाषण के माध्यम से बाल दिवस व पंडित जवाहर लाल नेहरु के बारे में बताया। विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने बहुत ही शानदार प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। ब्रह्मप्रकाश एचसीएस ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके भविष्य निर्माण के लिए कार्यरत विद्यालय प्रबन्धन के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर प्रियंका यादव भी मौजूद रहीं।

दुकान से मोबाइल फोन चोरी का आरोपी गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने दुकान से मोबाइल चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान झाल निवासी कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। जांच अधिकारी ने बताया की कोसली निवासी सुनील कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था की उसने कोसली मेन बाजार तिराहे पर मोबाइल की दुकान की हुई है। गत 11 नवम्बर को उसकी दुकान पर गांव झाल निवासी कृष्ण कुमार मोबाइल फाइनेंस कराने के लिए आया था। उसने फाईनैंसर न होने पर उसे कल आने को कहा था। इसी दौरान काम में व्यस्त होने के कारण आरोपी कृष्ण कुमार दुकान के काउंटर से उसका मोबाइल फोन चोरी करके ले गया है। पुलिस ने थाना कोसली में चोरी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने मामले में संलिप्त आरोपी कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए मोबाइल फोन को बरामद कर लिया है।

जेठ-जेठानी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज

कोसली। नाहड़ गांव की एक महिला ने अपने ही जेठ व जेठानी पर घर में घुसकर सामान व गहने चोरी का आरोप लगाते हुए डीएसपी को शिकायत देकर कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। महिला शशी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसका शादी करीब 8 वर्ष पहले मनोज कुमार पुत्र जसवन्त निवासी नाहड़ संग हुई थी तथा वह नाहड़ गांव में शुरू से अपने नये मकान में रहती आ रही हूं। 9 नवंबर को दोपहर वह नाहड़ पुलिस चौकी में गई हुई थी। जेठानी कविता व जेठ सुरेश कुमार पीछे से मकान में घुसकर उनकी सोने की अंगुठी एक जोडी चांदी की चुटकी, दो हजार रुपये नकद व पुराने घर की रसोई में रखा गैस सिलेन्डर चोरी कर ले गये। घर आकर देखा घर में रखा उपरोक्त सामान नहीं मिला। किसी ने बताया कि पीछे से जेठानी व जेठ मकान से मेरा उपरोक्त सामान उठा ले गए।

SANSKARAM UNIVERSITY

"अपणी संस्कृति, अपणा मान देश की आन हरियाणा की शान"

विरासत - ए - झज्जर - 2025

अपणी संस्कृति, अपणी बोली अर अपणी पहचान का मेला
इस खास मौके पे होण जा राया सै नौजवाना के टैलेंट देखण - दिखाण का जलवा
जो सै 14 तै 17 साल की उमर आले छोरे-छोरियां खातर

प्रतियोगिता → / पद ↓	Group Dance/Singing	Solo Singing/Dancing/ Declamation Painting / Sketching/ Rangoli
पहला पुरस्कार	₹11,000/-	₹5,100/-
दूसरा पुरस्कार	₹5,100/-	₹3,100/-
तीसरा पुरस्कार	₹3,100/-	₹2,100/-

REGISTRATION के लिए Scan करें

तारीख : 20 नवम्बर, 2025 | टेम: 10:00 बजे से

• देसी खेल तमाशे • हरियाणवी मखौल • हरियाणवी झाँकी • देसी खानपान

Best Performing School will receive 21,000/- Cash prize with trophy

मिस्टर एंड मिस झज्जर
आयु वर्ग -(35 से 45 वर्ष)(46 से 55 वर्ष)

₹5,100

धाकड़ ताई व धाकड़ ताऊ
आयु वर्ग - 56 से 70 वर्ष

सभी हरियाणावासी सादर आमंत्रित है

ठिकाणा : संस्कारम् विश्वविधालय का आगंण
खेड़ी तालुका, पाटौदा, झज्जर (हरियाणा)

★ सभी भाग लेने वालों को बधाई पत्र
★ सभी से प्रार्थना है कि अपना आधार कार्ड या स्कूल आई.डी कार्ड लेकर आऐ।

रजिस्ट्रेशन करने के लिए दिऐ गए स्कैनर पर स्कैन करे या कॉल करें
★ Mr. & Mrs Jhajjar
Dhakad Tai & Dhakad Tau
Dancing के लिए - 7056999264
★ Singing के लिए - 7056999263
★ Painting ★ Sketching ★ Rangoli के लिए - 7056999262

* On the Spot REGISTRATION AVAILABLE on arrival at Sanskaram University Till 12:00 P.M.

शेयर बाजार Vs एसआईपी बेहतर है कौन

प्लानिंग | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक नए निवेशक हैं और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं।

पैसों का निवेश जरूरी

पैसों का निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को अपनी बचत को एक अच्छी जगह निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपनी वेल्थ को बढ़ा सकें। पैसों को निवेश करने के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। कुछ लोग सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं, जिसके लिए वह बैंक एफडी और स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश करते हैं। वहीं कुछ लोग ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए रिस्क लेते हैं और शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में अपने पैसों का निवेश करते हैं। अगर आप भी एक नए निवेशक हैं, और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए. आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं।

आइए जानते हैं नए निवेशक कहां से शुरू करें निवेश

बात करें शेयर बाजार में निवेश की तो शेयर बाजार में निवेश काफी रिस्क भरा होता है। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह सीधा शेयर की कीमत पर निर्भर करता है। शेयर की कीमत बढ़ भी सकती है और घट भी सकती है। कीमत घटने पर आपको नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको कंपनी के कारोबार, बैलेंस शीट और सेक्टर ट्रेंड्स की समझ जरूर होनी चाहिए। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए।

नए निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड बेस्ट

अब बात कर लेते हैं म्यूचुअल फंड में निवेश की, तो शेयर बाजार में पहले न निवेश कर आपको सबसे पहले एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए। म्यूचुअल फंड के जरिए भी आपके पैसे शेयर बाजार में ही लगाए जाते हैं लेकिन यह पैसे कब और कैसे और कितना लगाना है, यह फंड मैनेजर तय करते हैं। एसआईपी में आप बस हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। लंबे समय तक निवेश कर आप यहां औसतन 12 प्रतिशत की दर से रिटर्न पा सकते हैं। शुरुआत में म्यूचुअल फंड में निवेश कर आप बाजार की चाल को समझ सकते हैं और आपको शेयर बाजार की समझ भी होगी। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले एक बार म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

▸▸ आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।'

अनजाने और अनचाहे खर्च को रोकना होगा, मिडिल क्लास को नहीं रहेगी टेंशन

सैलरी मिलने के कुछ दिन बाद ही पर्स हो जाता है खाली, ये टिप्स आएंगे काम

उदाहरण से समझें : रिया 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

महीने की शुरुआत में जब फोन पर सैलरी अकाउंट में क्रेडिट होने का मैसेज आता है तो काफी खुशी होती है। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों तक ही रहती है। 15-20 दिन गुजरने के बाद आर्थिक तंगी के हालात शुरू हो जाते हैं। ऐसा काफी लोगों के साथ होता है। मिडिल क्लास के साथ तो लगभग हर महीने यही स्थिति रहती है। 15-20 दिन बीतने के बाद चिंता सताने लगती है कि आखिर सैलरी का पैसा कहां खर्च हो गया? एक्सपर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं जिसमें इसका कारण और समाधान भी बताया है गया है। एक्सपर्ट के अनुसार हमसे कुछ अनजाने और अनचाहे खर्च ऐसे हो जाते हैं जिनके कारण धीरे-धीरे सैलरी का पैसा खर्च होना शुरू हो जाता है। हालात कई बार ऐसे आ जाते हैं कि सैलरी मिलने के 20 दिन बाद ही बटुआ खाली हो जाता है। समस्या यह नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह है कि आप उस पैसे को कैसे मैनेज करते हैं।

कहां गया सारा पैसा?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'आपकी सैलरी अभी-अभी क्रेडिट हुई है। वो खुशी वाला अलर्ट देखकर मुस्कान आ जाती है, है ना? लेकिन 20 दिन बाद आपका यूपीआई बैलेंस आपको सोचने पर मजबूर कर देता है- सारा पैसा कहां गया? यह कहानी कई मिडिल क्लास भारतीयों की है।'

आपकी लाइफ कैसी होगी यह आपके कमाने पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह निर्भर करता है कि आप बचाते कितना है। उन्होंने लिखा है, 'आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि दौलत सिर्फ कमाई से नहीं, बल्कि मैनेजमेंट और लगातार कोशिशों से बनती है।

उदाहरण से समझें गणित

अपनी बात को समझाने के लिए हम एक उदाहरण का सहारा लेते हैं। एक लड़की रिया जो एक कंसल्टेंट हैं और 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है। छोटे-छोटे फैसले चुपके से बड़ी दौलत बन जाते हैं।

आखिर क्यों 'गायब' हो जाती है सैलरी

सैलरी गायब होने के पीछे असली वजह अनकॉन्शियस स्पेंडिंग यानी ऐसे खर्च है जो अनजाने में होता है। कई बार ऐसे छोटे खर्चे होते हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। उनके मुताबिक हमारा दिमाग बड़े खर्चे पहचान लेता है लेकिन छोटे खर्चे जैसे- रोजाना का खर्च, सब्सक्रिप्शन, अचानक कुछ खरीदना आदि खर्च का पता ही नहीं चलता। इस कारण हर महीने 25 से 40 हजार रुपये चुपके से खर्च हो जाते हैं। यही कारण है कि सैलरी आने के बाद महीना खत्म होने से पहले ही बटुआ खाली हो जाता है।

ये हैं काम के टिप्स

ऐसे अनचाहे खर्च को रोकने और पैसे पर कंट्रोल के लिए 4 टिप्स हैं। अपनी सैलरी की तरह हर महीने बचत को ऑटोमेटिक कर लें। इसके लिए किसी मुश्किल अकाउंट की जरूरत नहीं है। **बस 4 आसान पॉकेट बना लें।**

ये इस प्रकार हैं :

1. सैलरी हब : यह आपका मुख्य इनकम अकाउंट है। यानी आपकी सैलरी इसी अकाउंट में आती है।
2. सेफ्टी नेट : इसमें इमरजेंसी फंड और लक्ष्य-आधारित बचत के लिए पैसा रखें। यह रकम 60:40 के रेश्यो में होनी चाहिए।
3. ग्रोथ इंजन : यह अकाउंट सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और ऑटोमेटेड इन्वेस्टमेंट के लिए है।
4. डेली एक्सपेंसेस: यह अकाउंट यूपीआई और बिल पेमेंट के लिए है। यह आपकी सेविंग से अलग होगा।

टाइमिंग का रखें ध्यान

ऊपर बताए चार पॉकेट में पैसा समय पर इन्वेस्ट कर दें। यहां टाइमिंग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की सैलरी महीने की आखिरी तारीख (30 या 31) या 1 तारीख को आ जाती है। ऐसे में हर महीने की 2 तारीख को ऑटोमेटिक ट्रांसफर सेट करें। महीने के बीच में खर्चों की समीक्षा करें और 25 तारीख तक अगले महीने की तैयारी कर लें।

ये तीन मंत्र काम के

पैसा कमाना एक स्किल है। पैसा बचाना एक आर्ट है और पैसे को कंपाउंड करना (ब्याज पर ब्याज कमाना) साइंस है। इन तीनों में महारत हासिल करें। ऐसे में फाइनेंशियल फ्रीडम अपने आप मिल जाएगी। पैसे का सही प्रयोग ही हमें जल्दी अमीर बना सकता है।

एक लाख 3 साल की एफडी में निवेश करने पर कौन सा बैंक दे रहा है सबसे ज्यादा रिटर्न

नॉलेज | बिजनेस डेस्क

"आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं। जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है, तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को बैंक एफडी में ही निवेश करना पसंद करते हैं. इसका कारण एफडी में मिलने वाला फिक्स्ड रिटर्न और पैसों की सुरक्षा है. देश के अलग अलग बैंकों द्वारा अपनी अलग अलग अवधि वाली एफडी पर अलग अलग ब्याज दर से रिटर्न ऑफर किया जाता है. आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

प्राइवेट बैंक इंडसइंड बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में सबसे ज्यादा ब्याज दर से रिटर्न ऑफर कर रहा है। इस बैंक की 3 साल की एफडी की ब्याज दरें 6.65 प्रतिशत हैं। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,950 रुपये मिलेंगे।

एक्सिस बैंक की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एक्सिस बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.60 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,800 रुपये मिलेंगे।

एचडीएफसी की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.40 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,200 रुपये मिलेंगे।

एसबीआई की 3 साल की एफडी

सरकारी बैंक एसबीआई अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.30 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,900 रुपये मिलेंगे

केनरा बैंक की 3 वर्षीय एफडी

सरकारी बैंक केनरा बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.25 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,750 रुपये मिलेंगे।

एफडी के अलावा इन 5 सरकारी स्कीम में करें पैसों का सुरक्षित निवेश

बैंक एफडी के अलावा भी सुरक्षित निवेश के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। एफडी के अलावा आप सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

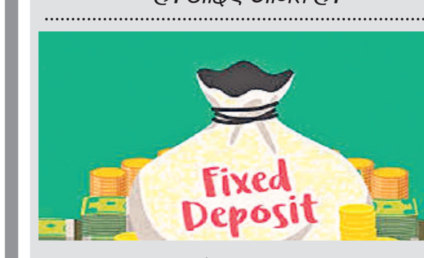

जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को केवल बैंक एफडी में ही निवेश करते हैं क्योंकि बैंक एफडी में पैसा सुरक्षित रहता है यानी पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है लेकिन बैंक एफडी के अलावा भी ऐसी कई स्कीम हैं, जहां लोग अपने पैसों को सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं और काफी अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम के बारे में। स्मॉल सेविंग स्कीम में आपको एक निश्चित ब्याज दर से रिटर्न मिलता है, और यह सरकारी स्कीम है. ऐसे में आपको पैसों की पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। आइए जानते हैं बैंक एफडी के अलावा आप किस-किस सरकारी स्कीम में पैसों का निवेश कर सकते हैं

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी पोस्ट ऑफिस की सरकारी स्कीम है, जहां आपको 5 साल की अवधि के लिए अपने पैसों का निवेश करना होता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में आपको 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी उम्र 60 साल से अधिक है तो आप सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में 5 सालों के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। यहां आप अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस आरडी

अगर आप एक साथ निवेश न कर थोड़ा थोड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की आरडी में निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है. इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का होता है। आरडी में 6.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

किसान विकास पत्र

पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र यानी केवीपी स्कीम में आप अपने पैसों को 115 महीनों के लिए निवेश करके उन्हें डबल बना सकते हैं। किसान विकास पत्र स्कीम में 7.5 प्रतिशत सालाना की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है. ऐसे में आप यहां भी निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट निवेशक ऐसे पहचानते हैं म्यूचुअल फंड बेचने का सही वक्त

सुझाव
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट करने की बात तो हर निवेशक करता है, कौन सा फंडसबसे अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर बेहतर रिटर्न दे रहा है, या कौन सी स्कीम में पैसा लगाना चाहिए। हालांकि जब बात आती है म्यूचुअल फंड बेचने की, तो ज्यादातर लोग या तो गलत समय पर बेच देते हैं या फिर कभी बेचते ही नहीं, जबकि सच यह है कि जितना जरूरी इन्वेस्टमेंट करना है, उतना ही जरूरी है सही समय पर बेचना भी। अगर आप यह नहीं जानते कि म्यूचुअल फंड कब बेचना चाहिए, तो आपका अच्छा फंड भी नुकसान में बदल सकता है। अक्सर ऐसा होता है कि मार्केट में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपने फंड को बेच देते हैं। यह सबसे आम लेकिन सबसे बड़ी गलती होती है। जैसे कि 2008 के वित्तीय संकट के दौरान कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए थे, लेकिन उस टाइम पर अगर उन्होंने धैर्य रखा होता, तो अगले पांच सालों में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी, तो इसलिए, मार्केट गिरने पर डरकर फंड बेचना नहीं, बल्कि धैर्य रखना जरूरी होता है।

गलत समय पर म्यूचुअल फंड बेचने से हो सकता है भारी नुकसान

कब नहीं बेचना चाहिए?

कई बार फंड कुछ महीनों के लिए खराब प्रदर्शन करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि फंड खराब है। हर इन्वेस्टमेंट प्रोडक्शन के उतार-चढ़ाव के चक्र होते हैं। अगर आपने किसी उद्देश्य के लिए निवेश किया है, जैसे बच्चे की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट, तो बीच में फंड बेचने की गलती न करें। इसके अलावा, सिर्फ इसलिए फंड न बेचें क्योंकि आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार किसी नए फंड में निवेश कर रहा है। वैसे निवेशकों को औसतन करीब 3-4% कम रिटर्न मिल सकता है क्योंकि वे गलत समय पर फंड बेच देते हैं, यानी निवेशक खुद अपने नुकसान के जिम्मेदार बन जाते हैं।

कब बेचना चाहिए फंड?

म्यूचुअल फंड में निवेश जितना जरूरी है, उतना ही अहम है सही समय पर उसे बेचना। फंड को बेचना किसी जल्दबाजी का नहीं बल्कि एक रणनीतिक फैसला होना चाहिए। अगर आपका फाइनेंशियल टारगेट जैसे बच्चे की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट पूरा हो गया है, तो मुनाफा बुक कर लेना समझदारी है। वहीं, अगर कोई फंड लगातार 2-3 साल से खराब प्रदर्शन कर रहा है या अपने बेंचमार्क से पिछड़ रहा है, तो इसे बदलने का समय आ गया है। जिंदगी में फाइनेंशियल बदलाव जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट की स्थिति में जोखिम कम करना चाहिए। इसके अलावा, जब मार्केट ऊंचाई पर हो, तब आंशिक मुनाफा निकालकर अपनी पूंजी सुरक्षित करना बेहतर प्लानिंग मानी जाती है।

फंड बेचने से पहले ये रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड बेचने से पहले जल्दबाजी में कोई कदम उठाना नुकसानदायक हो सकता है। सबसे पहले अपने फंड की पूरी समीक्षा करें, क्या फंड मैनेजर, निवेश प्लानिंग या खर्च संरचना में कोई बड़ा बदलाव हुआ है? अगर हां, तो स्थिति को समझकर निर्णय लें। किसी भी कदम से पहले अपने फाइनेंशियल सलाहकार की राय जरूर लें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। तो याद रखें, म्यूचुअल फंड एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट है इसलिए बाजार के उतार-चढ़ाव में घबराने की बजाय धैर्य रखें और अपनी वित्तीय योजना से भटकें नहीं। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में जबरदस्त ग्रोथ

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है। यह साबित करता है कि लोग अब पारंपरिक निवेश की बजाय म्यूचुअल फंड्स को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का साधन मान रहे हैं। हालांकि, केवल निवेश करना ही काफी नहीं है। सही समय पर फंड बेचना भी एक समझदार निवेशक की पहचान होती है। बाजार की स्थिति, अपने लक्ष्य और फंड के प्रदर्शन को समझकर निर्णय लेना ही सफल निवेश की कुंजी है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

कर्मचारियों ने विधायक से मुख्यमंत्री के समक्ष पैरवी करने का आग्रह किया

ग्रामीण सफाई कर्मियों ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर एकमुश्त 10 लाख रुपये व दस हजार रुपये पेंशन हर माह लागू हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

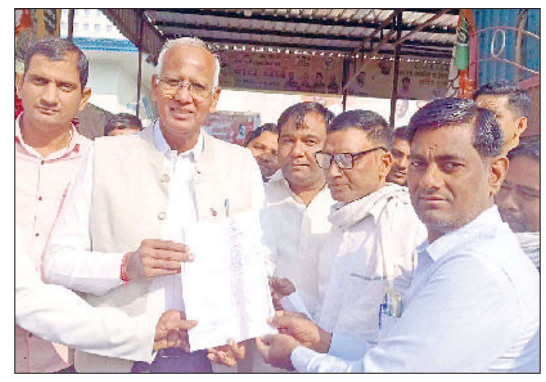

महेंद्रगढ़। शहर में प्रदर्शन करते ग्रामीण सफाई कर्मचारी व विधायक कंवर सिंह यादव को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के रविवार को नारनौल आगमन को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन संबंधित एआईयूटीयूसी की ओर से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर शनिवार को विधायक कंवर सिंह यादव को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिला प्रधान पवन कुमार वाल्मीकि, जिला सचिव जगदीश प्रसाद सतनाली व एआईयूटीयूसी मुकेश कुमार यादव की अगुवाई में सौंपा गया।

कर्मचारियों ने विधायक कंवर सिंह यादव से मुख्यमंत्रीके समक्ष लंबित मांगों को स्वीकार किए जाने की पैरवी का आग्रह किया। जिला प्रधान ने बताया कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी पिछले 18 वर्षों से गांव में साफ-सफाई कार्य कर गांव में स्वच्छता अभियान की रीढ़ है और गांवों को साफ-सुथरा कर बीमारियों से बचाव में सफाई कर्मियों के योगदान को देखते हुए सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाना न्यायसंगत मांगों में शुमार है। इसके बावजूद इसके 18 वर्षों से लगातार संतोषजनक सेवाओं के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं दिया गया है।

गांवों में सरपंचों की मनमानी से कर्मचारियों की नौकरी पर आए दिन तलवार लटकी रहती है। कनीना ब्लॉक के गांव गोमला के सफाई कर्मचारी चिंतामणि व गंगाराम गांव के सरपंच व बीडीपीओ कनीना ने बिना किसी कमेटी की जांच व विभागीय कार्रवाई की पालना के बिना ही गैर-कानूनी तरीके से नौकरी से हटाकर एक गरीब दंपति की रोजी-रोटी छीन ली, जिनकी आजीविका का यही एकमात्र साधन था और उनके पांच बच्चों का जीवन संकट में पड़ गया है। यह गरीब चिंतामणि परिवार के साथ सरासर नाइंसाफी है, इसके लिए उसे नौकरी पर बहाल किया जाए।

ज्ञापन में कहा गया है कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी बेहद गरीब परिवारों से है और पिछले 18 सालों से लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को न ही अभी तक सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया गया है और न ही न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू किया गया है, जिससे इस बढ़ती मंहगाई में परिवार का जीवनयापन बेहद मुश्किल है।

हमें सामाजिक सुरक्षा के दायरे से भी वंचित हैं। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर एकमुश्त 10 लाख रुपये व दस हजार रुपये पेंशन हर माह लागू हो। इसके अलावा सरपंचों के अनावश्यक हस्तक्षेप से आए दिन हटाने की धमकी मिलती है, इसलिए हमें नौकरी सुरक्षा की भी गारंटी दी जाए।

ये रहे मौजूद

इस मौके ब्लाक कनीना प्रधान दीपक, सचिव महेश कुमार, प्रेस सचिव रवि, कोषाध्यक्ष सोनू, महेंद्रगढ़ ब्लॉक प्रधान राजेन्द्र, सचिव मुकेश व सत्यनारायण सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत

नारनौल। गांव रामबास में करंट लगने से 67 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति सुबह नहाने के लिए पानी ले रहा था। इस दौरान बाल्टी में लगी रॉड में करंट आ गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। गांव रामबास निवासी करीब 67 वर्षीय रतिराम बीते कल सुबह अपने घर में नहाने के लिए गर्म पानी ले रहा था। इस दौरान जब वह बाल्टी से पानी लेने लगा तो बाल्टी में लगी रॉड में करंट आ गया। इससे उनको करंट लग गया। करंट लगने के कारण रतिराम बेहोश होकर वहां पर गिर गया। उसके बेहोश होकर गिरने पर परिजनों ने उसको उठाया तथा उपचार के लिए तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डाक्टरों ने रति राम को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र नरेश कुमार ने बताया कि उसके पिता जमींदार थे तथा खेतीबाड़ी करते थे। उनके एक लड़का व चार लड़कियां हैं। सभी की शादी हो चुकी है।

नारनौल। बैठक में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रगतिशील प्रजापित संगठन की हुई बैठक

नारनौल। प्रगतिशील प्रजापति संगठन की एक आवश्यक बैठक संगठन के कार्यालय स्थित नसीरपुर में संपन्न हुई ।बैठक में सभी पदाधिकारी ने फैसला लिया कि 16 नवंबर को सीएम नायब सिंह सैनी के नारनौल आगमन पर उनका स्वागत किया जाएगा तथा उनके समक्ष संगठन, समाज के विकास व उन्नति के लिए कुछ प्रस्ताव पेश करने का फैसला लिया गया। इस मौके पर प्रधान बनवारी लाल, उपप्रधान लालाराम, उपप्रधान रामसिंह, मोहरसिंह, सीताराम, कृष्ण कुमार नंबरदार, फूलचंद, रमेश एडवोकेट आदि उपस्थित थे।

नारनौल। कर्मशाला प्रबंधक संदीप कुमार का स्वागत करते पूर्व प्रधान अनिल भीलवाड़ा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

रोडवेज कर्मशाला प्रबंधक ने संभाला कार्यभार

नारनौल। रोडवेज बस डिपो में कर्मशाला प्रबंधक के तौर पर संदीप कुमार न्यू जॉइनिंग की है, जोकि पहले भिवानी डिपो में फोरमैन के पद पर कार्यरत थे। संदीप कुमार का नारनौल डिपो में ज्वाइन करने पर कर्मचारियों ने उनको गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। कर्मशाला प्रबंधक ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वह आने वाले समय में नारनौल डिपो के कर्मचारियों, रोडवेज विभाग और जनहित के लिए मिलजुलकर अच्छे से अच्छे कार्य करेंगे। कर्मशाला प्रबंधक के स्वागत में नारनौल डिपो के पूर्व प्रधान अनिल भीलवाड़ा, संजय नीरपुर, प्रीत्तम बागड़ी, कुलदीप मास्टर, दलजीत, सुरेंद्र वकील, प्रीत्तम नांगल सिरोही, विकास भुंगारका, सुंदर बेवल, नरेश, दयानंद आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

अहीर रेजिमेंट और 120 बहादुर में अहीर शब्द शामिल किया जाए: पूर्व सांसद

पूर्व सांसद चौधरी बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में नारनौल से चलकर महेंद्रगढ़ पहुंची जनसद्भावना यात्रा, कांग्रेस के बड़े नेता नहीं हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। पत्रकारवार्ता करते पूर्व सांसद एवं यात्रा संयोजक बृजेंद्र सिंह।

अहीर रेजिमेंट एवं 120 बहादुर फिल्म के टाइटल में अहीर शब्द शामिल करना अहीरवाल इलाके की मांग जायज है तथा इन मांगों को लागू किया जाना चाहिए। यह विचार पूर्व सांसद एवं सद्भावना यात्रा के संयोजक बृजेंद्र सिंह ने यादव सभा में आयोजित पत्रकारवार्ता में व्यक्त किए। चौधरी बृजेंद्र सिंह ने अहीर रेजिमेंट का समर्थन करते हुए सन 1962 में हुए रेजांगला युद्ध में जो 120 वीर शहीद हुए, उनमें सर्वाधिक अहीर समाज के थे।

इस युद्ध को लड़ने में जिस अदम्य साहस का परिचिय दिया, वह अतुलनीय है। यहां के अहीरों ने आजादी की लड़ाई ही नहीं, देश की आजादी के बाद हुए युद्धों में भी स्वर्णिम इतिहास रचा है और सीमाओं की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उन्होंने बताया कि आज ही महेंद्रगढ़ में रेजांगला पार्क का शिलान्यास किया गया है तथा वह इसका सम्मान करते हैं। यह शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि का प्रतीक होगा। इस मौके पर पूर्व सांसद के पिता पूर्व मंत्री चौधरी बिरेंद्र सिंह, कांग्रेस के जिला प्रधान सत्यवीर झूकिया, महिला प्रधान राजवंती यादव, बार के पूर्व प्रधान एडवोकेट मंजीत सिंह यादव, पूर्व पार्षद डा. तरुण, भगवान सिंह झूक समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कनीना। मिठाई बांटकर खुशी जताते व्यापारी। फोटो : हरिभूमि

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत पर बांटी

कनीना। बिहार में एनडीए की सरकार बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जताई है। व्यापार मंडल के वरिष्ठ नेता मनीष गुप्ता ने कहा कि बिहार में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद बंगाल में भी सत्ता परिवर्तन का रास्ता खुल गया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के आगे विपक्षी पार्टियों के हौसले परास्त हो रहे हैं। देश में तेजी से विकास हो रहा है। इस मौके पर व्यापार मंडल एवं भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत को जानो प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांवी में विद्यालय स्तर की भारत को जानो प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को शनिवार विद्यालय प्राचार्य सुरेश कुमार ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस संबंध में प्रवक्ता डा. जितेंद्र भारद्वाज ने बताया कि भारत को जानो प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छह से आठ एवं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें कनिष्ठ वर्ग में कक्षा आठ के छात्र हर्ष ने प्रथम, कक्षा सात के निशांत ने द्वितीय तथा कक्षा आठ के वीरेन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा दसवीं के दीपांशु ने प्रथम, कक्षा 12वीं के शन्नी ने द्वितीय एवं कक्षा दसवीं की वंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कोसली। विद्यार्थियों को गर्म कपड़े वितरित करते गांव के सरपंच व अन्य।

विद्यार्थियों को वितरित किए गर्म कपड़े

कोसली। राजकीय उच्च विद्यालय लिसाना के छात्र-छात्राओं को सर्दी के मौसम की शुरूआत में गांव के सरपंच जयसिंह गांव के विपिन कुमार द्वारा गर्म कपड़े वितरित किए। विद्यालय के मुख्य अध्यापक विनोद कुमार ने कहा कि गांव के सरपंच जयसिंह वह विपिन यादव द्वारा गत वर्ष भी छात्र-छात्राओं को गर्म कपड़े वितरित किए थे जिसके लिए वह छात्र-छात्राओं की ओर से उनका आभार व्यक्त करते हैं कि वह इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग ले और दिन दुगनी रात चौगुनी उन्नति करें इस मौके पर राजकुमार देवेंद्र सिंह कृष्ण कुमार मुकेश कुमार सरल पूनम पंचायत समिति सदस्य बलदेव सतबीर कृष्णा सत्यवान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पिता की पुण्यतिथि पर गोशाला में लगाई सवामणी

नारनौल। गो सेवा मंडल के सानिध्य में सुरेश यादव ने अपने स्वर्गीय पिता श्रीराम यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर गोमाता के लिए 35 क्विंटल हरी सब्जी की सवामणी श्री अनाथ गौशाला नारनौल में लगाई। सुरेश यादव ने बताया कि अपने बड़े बुजुर्गों की पुण्यतिथि पर गोमाता को हरा चारा व हरी सब्जी खिलाने से आत्मा को शांति प्राप्त होती है। संस्थापक मुकेश वालिया ने बताया कि मंडल द्वारा पिछले करीब चार वर्षों में अब तक 1320 सवामणी गोभक्तों के सहयोग से लगाई जा चुकी है। प्रधान सतपाल यादव ने कहा कि गोमाता सवामणी करने से मन के सभी विकार दूर होते हैं तथा घर में खुशियां आती है। बेजुबान गोमाता की सेवा से अधिक पुण्य कर्म और कोई नही हो सकता।

विधायक ने कार्यकर्ताओं की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज. महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देते विधायक।

विधायक कंवर सिंह यादव ने अपने कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की एक बैठक लेकर 16 नवंबर को नारनौल में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। विधायक ने बताया कि महाराज शूर सैनी की जयंती के मुख्यातिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे। जिसके लिए सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से पूरा करने के निर्देश दिए गए। महेंद्रगढ़ विधानसभा से 50 बसों की व्यवस्था की गई। जो सुबह नौ बजे महेंद्रगढ़ से काफिले में एक साथ रवाना होंगे। विधायक ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में लोगों को कार्यक्रम तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि क्षेत्र के विकास से जुड़ी घोषणाओं का लाभ आम जनता तक पहुंच सके। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री योगेश शास्त्री, मंडल अध्यक्ष नांगल सिरोही अशोक कुमार, मंडल अध्यक्ष महेंद्रगढ़ संदीप बचीनी, रवि शेखावत, प्रवीण कुमार, अधिवक्ता मोती सिंह, मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ शेखावत, कृष्ण देवनगर सरपंच, रणधीर सिंह आदलपुर, कृष्ण ठेकेदार, डॉ. महेश, पंकज बुचोली, दीपक बुचोली व सूरत सिंह आदि बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यार्थी हमारे देश के भविष्य: बलजीत यादव

- बाल दिवस पर बच्चों ने सुंदर प्रस्तुतियां दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम चीफ गेस्ट का स्वागत करते हुए स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी जिला उपाध्यक्ष बलजीत सिंह यादव ने विश्वकर्मा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज के बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं। आप लोगों में से ही कल राजनेता, डॉ, इंजीनियर और शिक्षक बनकर देश का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि आज हम संकल्प लेकर जाएं कि अपने से बड़ों, माता पिता और गुरुजनों का आदर करेंगे। डर कर नहीं बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगे। अंदर के सपनों को कभी छोटा नहीं होने देगे। पढ़ाई को नंबरों के लिए नहीं कुछ नया सीखने के लिए करगे। सार्वजनिक संपत्ति को कभी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

विद्यार्थियों को मेडल पहना कर सम्मानित किया

अपने विद्यालय एवं आस पास के स्थानों को साफ एवं स्वच्छ रखेंगे। आज आप द्वारा आगे बढ़ने के लिए किया गया संघर्ष आपकी कल की सफलता का आधार होगा। बाल दिवस पर बच्चों ने सुंदर प्रस्तुतियां दी। विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल पहना करके सम्मानित किया गया इस मौके पर विश्वकर्मा शिक्षण संस्थान के प्रधान हेमंत कुमार शर्मा स्कूल की प्रधानाचार्य श्रुति शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नीतू शर्मा, सीडब्ल्यूसी काउंसलर नीतू एवं स्कूल के सभी अध्यापकगण और बच्चे उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। राजकीय महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गीता यादव ने की। डॉ. गीता यादव ने कहा कि यह दिवस भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। जनजातीय गौरव दिवस का उद्देश्य जनजातीय समुदाय की संस्कृति, परंपरा और योगदान को सम्मानित करना है। यह दिवस जनजातीय समाज के लोगों को उनके अधिकारों और पहचान के प्रति जागरूक करने के लिए मनाया जाता है। इस मौके पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रथम पुरस्कार अन्नू को, द्वितीय पुरस्कार लक्ष्मी को तथा तृतीय पुरस्कार तमन्ना और अंकिता चौधरी को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

सरकारी अस्पतालों में 1100 नए डॉक्टरों की नियुक्ति की गई

प्रदेश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को किया जा रहा मजबूत: आरती

- दवा वितरण के कार्य को सुचारू किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली। किसान भवन में मौजूद स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार व आम जनता के लिए सभी तरह की मेडिकल सेवाएं सुलभ करवाने के लिए सरकार गंभीरता से काम कर रही है। सरकारी अस्पतालों में 1100 नए डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा दवा वितरण के कार्य को सुचारू किया गया है। किसान भवन परिसर में आज कोसली मार्केट कमेटी के चेयरमैन महेश यादव और वाइस चेयरमैन दिनेश गोयल को पदभार ग्रहण करवाने के पश्चात स्वास्थ्य मंत्री स्थानीय मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि पहले उनकी निगाह प्रदेश के सामान्य अस्पतालों को समुचित चिकित्सा संसाधन उपलब्ध करवाने पर है।

दवाइयों का सीएमओ के पास स्टॉक होना आवश्यक

उसके बाद सब डिविजन लेवल के हॉस्पिटल, सीएचसी, पीएचसी तथा सब हेल्थ सेंटरों पर ध्यान दिया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की प्रक्रिया जारी है। दवाइयों की कमी को दूर किया जा रहा है। विभाग में इसके लिए एक अलग से पोर्टल बनाया हुआ है। जिसमें दर्शाई गई दवाईयों का सीएमओ के पास स्टॉक होना आवश्यक कर दिया गया है। आधुनिक मशीनों को बाहर से मंगवा कर सरकारी अस्पतालों में लगवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोसली में भी जल्द रेडियोलॉजिस्ट व स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की कमी को दूर किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि सहादत नगर गांव के नर्सिंग कॉलेज में अगले साल से कक्षाएं विधिवत तौर पर शुरू कर दी जाएंगी। अभी वहां ढांचागत विकास का कार्य करवाया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने विधायक अनिल यादव के भी काम की तारीफ करते हुए कहा कि वे पूरी लगन से हलका के विकास के लिए जुटे हुए हैं। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, एसडीएम विजय कुमार यादव, जिला कृषि विपणन अधिकारी सत्य प्रकाश, मार्केट कमेटी सचिव नरेंद्र सिंह, अशोक लूखी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थीं।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

ग्यारहवां पुरस्कार (इलैक्ट्रिक कैटल-100 नग)

❖ श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री सुंदर लाल, 1910/30, न्यू चिन्योट कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री प्रशांत सुपुत्र प्रमोद, नेहरू कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री मदन गोपाल सचदेवा सुपुत्र मुलखराज सचदेवा, म. नं. 309/16, प्रताप मोहल्ला, रोहतक ❖ जगबीर सुपुत्र श्री देशराज, गांव मोहम्मदपुर, दुलोठ जाट, अटेली, महेन्द्रगढ़ ❖ रोहित बंसल सुपुत्र श्री दीपक बंसल, वार्ड नं. 6, दीवान गेट, झज्जर ❖ जय नारायण सुपुत्र श्री दुर्गा प्रसाद, साल्हावास, झज्जर ❖ दर्शना देवी धर्मपत्नी धर्मबीर सिंह, गांव दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ रतन लाल सुपुत्र श्री समसूराम नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़ ❖ श्री रामचंद्र सुपुत्र रामभगत, अमृत कॉलोनी, वार्ड 22, रोहतक ❖ श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री बनवारी लाल, नजदीक रेलवे स्टेशन, वार्ड नं. 2, (आटा चक्की) कलानौर, रोहतक ❖ दिव्या सुपुत्री श्री परवीन, जहाजगढ़, बेरी, झज्जर ❖ सुरेश कुमार सुपुत्र श्री बलराम, साल्हावास, झज्जर ❖ निहारिका शर्मा पत्नी दीपक शर्मा निवासी 15/40, 5 बिस्वा, जटवाड़ा मोहल्ला, बहादुरगढ़ ❖ महेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री भागचन्द, दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ महाबीर सिंह सुपुत्र श्री जागे राम, कबलान, झज्जर ❖ जिया पुत्री श्री अमित निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ शर्मिला पत्नी श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ दिलबाग सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह, निवादा, साल्हावास, झज्जर ❖ राधे श्याम सुपुत्र स्व. श्री हजरी लाल, गांव व डा. नन्दरामपुर बांस, रेवाड़ी ❖ मदन लाल वर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद म. नं.4, गली नं. 3/1, सरस्वती विहार, कालका रोड, रेवाड़ी ❖ प्रिन्स सुपुत्र श्री अमन, मारोत, मातनहेल, झज्जर ❖ श्री रणवीर सिंह सुपुत्र श्री राम, गांव व डा. तुंबाहेड़ी, झज्जर ❖ मामन सिंह सुपुत्र श्री चन्द्रभान, गांव नलड़ा, बेरी, झज्जर ❖ दयानन्द सुपुत्र श्री मंगलराम, गांव लूखी, कोसली, रेवाड़ी ❖ धर्मवीर सिंह सुपुत्र श्री सुरजभान, नारनौल, महेन्द्रगढ़ ❖ अमन सोलंकी पुत्र श्री श्रीपाल सोलंकी, निवासी मकान नं0 2459, सेक्टर 2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ मधुबाला पत्नी श्री जय भगवान निवासी मकान नं.840/13, गली नं.10 भगत सिंह कालोनी, बहादुरगढ़ ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव डाबौदा कलां, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ तेजबीर राठी पुत्र श्री जागेराम निवासी गांव व डाकखाना सांखौल, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ विनोद कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल गांव व डाकखाना सांवड़, जिला चरखी दादरी ❖ रमन सुपुत्र श्री रिंकू, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ सुनीता पत्नी मुकेश निवासी रामनगर, परनाला रोड, गली नं.4, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ सुरेन्द्र कुमार सैन पुत्र श्री सन्जू निवासी गुजरों की ढाणी, पुराना बस स्टैंड, भिवानी ❖ श्री महेंद्र सिंह सुपुत्र खेड़ी सिंह, गांव व ड. भालौठ, रोहतक ❖ मयंक पुत्र श्री जतिन कुमार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ सुलेखा पत्नी श्री हरिओम निवासी गांव रोहद, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ श्याम करण पुत्र श्री सोनी लाल निवासी छिकारा कालोनी, गली नं.5, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ दयाराम पुत्र श्री कमलेश निवासी आर्य नगर, गली नं.2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, गांव व डा. शेशवाला, दादरी ❖ समीर पुत्र श्री प्रदीप निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ उमेश पुत्र श्री हव सिंह निवासी 12/410, सैनी पुरा, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ हवा सिंह पुत्र श्री लखीराम निवासी गांव व डाकखाना गोयला कलां, बदली, झज्जर ❖ आशीष वर्मा पुत्र श्री बलवान सिंह निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी ❖ श्री राकेश कुमार सुपुत्र ब्रह्मजीत सिंह, गांव व डा. बोहर, रोहतक ❖ परवीन कुमार सुपुत्र श्री दिलबाग सिंह गांव व डा. लोहारहेड़ी, बहादुरगढ़, झज्जर ❖ श्री रवि सुपुत्र हरि सिंह, 822, दरमान मौहल्ला, रोहतक ❖ हर्ष मित्तल पुत्र श्री रविन्द्र कुमार निवासी मकान नं 5, नजदीक लिबर्टी होम्स, शिव नगर कालोनी, भिवानी ❖ श्री अंकुर सुपुत्र श्री रामफल, खरक जाटान, बैंसी, तह. महन, रोहतक ❖ मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया लाल, गांव लोहारहेड़ी, बहादुरगढ़, झज्जर ❖ वीर भान पुत्र श्री काली चरण निवासी मकान 802/19, आर्य नगर, रोहतक

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी
सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

खबर संक्षेप

नशे में धुत चालक ने लगाए रखा जाम

रेवाड़ी। सैकड़ों लोग शहर के सरकुलर रोड से अंदर के इलाकों तक जाने के लिए ऑटो का इस्तेमाल करते हैं। शराब से लेकर दूसरे नशे करने वाले ऑटो चालक लोगों की जान की परवाह नहीं करते। इसका उदाहरण शनिवार सायं सरकुलर रोड पर उस समय देखने को मिला, जब शराब के नशे में धुत एक ई-रिक्शा चालक सड़क पर बैठ गया। बेसुध चालक के कारण काफी देर तक सड़क पर जाम जैसे हालात बने रहे।

शाम के समय एक ई-रिक्शा चालक ने ब्रह्मगढ़ के पास सरकुलर रोड पर वाहन खड़ा कर दिया। वह नशे में इस कदर धुत था कि उससे चला भी नहीं जा रहा था। वह सड़क पर ही बेसुध बनकर बैठ गया। संकीर्ण रोड होने के कारण काफी देर तक जाम जैसे हालात बने रहे।

जानलेवा हमला करने का आरोपी काबू

कोसली। पुलिस ने 11 नवम्बर को आपसी रंजिश के चलते गांव टुमना निवासी एक युवक को चाकू मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए के मामले में संलिप्त एक आरोपी संदीप कुमार निवासी गांव टुमना को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि इस मामले में शिकायतकर्ता गांव टुमना निवासी विक्रांत की शिकायत पर थाना कोसली में मामला दर्ज किया गया था।

बाल भवन में परिवेदना समिति की बैठक कल

रेवाड़ी। जिला के नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक 17 नवंबर को दोपहर 12 बजे बाल भवन ऑडिटोरियम में होगी।

प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय और नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 17 परिवादों की सुनवाई की जाएगी। डीसी अभिषेक मीणा ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्धारित तिथि व समय पर रिपोर्ट सहित बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

मार्केट कमेटी के चेयरमैन महेश यादव व वाइस चेयरमैन दिनेश गोयल ने संभाला पदभार

बिहार में एनडीए की जीत ने बढ़ाया पीएम मोदी का कद : आरती राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों में जिस तरह से एनडीए और भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है, उससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद और भी बढ़ गया है। इन चुनावों ने यह साबित कर दिया है कि पीएम की नीति और नियत पर देश और प्रदेशों की जनता को पूरा भरोसा है। उनके नेतृत्व में देश प्रगति की राह पर लगातार आगे बढ़ रहा है। आरती सिंह राव शनिवार को किसान भवन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रही थीं।

कोसली व भाकली का आभार व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि यह इलाका केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को रीढ़ की हड्डी की तरह ताकत देता है। शुरू से ही कोसली क्षेत्र ने राव इंद्रजीत सिंह का मजबूती से साथ दिया। अटेली के चुनाव में भी उनको कोसली का साथ मिला तथा यहां विधायक अनिल यादव को भारी मतों से जीत दिलवाई, जिसके लिए वह यहां की जनता का आभार व्यक्त करती हैं। नवनियुक्त मार्केट कमेटी चेयरमैन महेश यादव एवं वाइस चेयरमैन दिनेश गोयल के पदभार संभालने के उपलक्ष्य में आयोजित हुए इस समारोह में मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि कोसली विधानसभा क्षेत्र में सब हेल्थ सेंटर, पीएचसी, सीएचसी व बीएचयू की स्थापना के लिए 57 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। भविष्य में चिकित्सा सुविधाओं को और भी विस्तार दिया जाएगा। विधायक अनिल यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की स्पष्ट और ईमानदार कार्यशैली को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव आगे बढ़ा रही हैं। हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में जनकल्याण की भावना से काम कर रही है।

कोसली। किसान भवन में जनसभा को संबोधित करते हुए आरती राव तथा चेयरमैन को कुर्सी बैठाते हुए आरती राव अनिल यादव। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार जताया

किसान भवन में मंत्री आरती सिंह राव, विधायक अनिल यादव व भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली के सान्निध्य में महेश यादव व दिनेश गोयल ने अपना पदभार ग्रहण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने उम्मीद जताई कि दोनों पदाधिकारी कोसली क्षेत्र के किसानों की भलाई के लिए काम करेंगे। सभा में मुकेश जाहिदपुर ने कोसली हलका में आईएमटी तथा रेवाड़ी में एम्स लाने के लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह तथा स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार जताया। इस अवसर पर पंचायत समिति, पार्टी पदाधिकारी व मौजिज नागरिकों ने हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री का फूल मालाओं व पगड़ी भेंट कर उनका जोरदार अभिनंदन किया। विधायक अनिल यादव को भी सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाई गई।

कोसली। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री के साथ मौजूद अन्य नेता। फोटो :हरिभूमि

यह रहे कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मौजूद

समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष मा. हुकमचंद, चेयरमैन दुष्यंत सिंह, चेयरमैन कर्णपाल, हिमांशु पालीवाल, जिला उपाध्यक्ष बलजीत सिंह, कपिल चेयरमैन, जगफूल यादव, उदयभान डागर, जिला पार्षद जीवन हितैषी, शारदा यादव, भूपेंद्र सिंह, प्रवीन कुमार, हरीश दायमा, अनूप यादव, धीरज यादव, बार एसोसिएशन के प्रधान जयकिशन ढिल्लो, मंडी प्रधान अजय सिंगला, विक्रम सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। बिहार में भाजपा की जीत पर खुशी मनाते हुए कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

बिहार में भाजपा की जीत पर मनाई खुशी

मिठाई बांटकर मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया
- बिहार की जनता ने एक बार फिर विकास, विश्वास और सुशासन की राजनीति को चुना

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन की ऐतिहासिक और प्रचंड जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाते हुए मिठाइयां वितरित कीं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया।

मॉडल टाउन स्थित श्रीसंस्थान धर्म राधा कृष्ण मंदिर परिसर में भाजपा मंडल अध्यक्ष समीर कालड़ा ने जलेबियां बांटकर जीत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर विकास, विश्वास और सुशासन की राजनीति को चुना है।

यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की नीतियों पर जनता के भरोसे का प्रमाण है। समीर कालड़ा ने कहा कि मतदाताओं ने जातिगत समीकरणों और नकारात्मक राजनीति को दरकिनार करते हुए सकारात्मक बदलाव को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कार्यकतार्ओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए इस जीत को लोकतंत्र एवं राष्ट्रहित की विजय बताया।

जिले के अन्य स्थानों पर भी भाजपा कार्यकतार्ओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया और मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर पंचनद जिला अध्यक्ष केशव चौधरी, जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल, राजीव आहूजा, जयमाला कौशिक, कृपा जेमनी, गोबिंद यादव, स्वर्ण जयंती पार्क के प्रधान नरेंद्र यादव, दीपा भारद्वाज, रमेश चक्रवर्ती, दिनेश यादव, सोनिया चक्रवर्ती व नीरू भारद्वाज सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वंदे मातरम् देशभक्ति और आध्यात्मिकता के भाव से भरा गीत : हेमेंद्र कुमार मीणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि मां भारती को समर्पित देशभक्ति और आध्यात्मिकता के भाव से भरा गीत वन्दे मातरम् हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है। इस गीत से देश भक्ति का जज्बा पैदा होता है।

हेमेंद्र कुमार मीणा शनिवार को पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट के प्रति समर्पण की शपथ दिलाने के बाद उन्हें संबोधित कर रहे थे। वन्दे मातरम् राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव के अवसर पर पुलिस के सभी थाना व चौकी में देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी जगह वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ देशभक्ति और राष्ट्र एकता की भावना के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सभी ने एक साथ एक स्वर में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का गायन किया।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने राष्ट्र प्रति समर्पित की शपथ ली। मीणा ने कहा कि इस गीत ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आज भी देश के प्रति प्रेम और एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् हमें अपने देश के प्रति प्रेम और समर्पण की याद दिलाता है।

यह गीत हमें देश की स्वतंत्रता और एकता के लिए लड़ने वाले वीरों की याद दिलाता है। वंदे मातरम् हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि यह गीत देश की विविधता में एकता का प्रतीक है और हमें सभी को एकजुट होकर देश की प्रगति में योगदान करने के लिए प्रेरित करता है।

रेवाड़ी। राष्ट के प्रति समर्पण भाव की शपथ लेते हुए पुलिसकमी। फोटो : हरिभूमि

जन-सेवा और राष्ट्र सेवा दोनों सर्वोपरि

उन्होंने कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था की संरक्षक ही नहीं, बल्कि समाज में शांति, सौहार्द और पारस्परिक विश्वास को कायम रखने का महत्वपूर्ण स्तम्भ है। ऐसे अवसर पुलिस बल को अपने मूल्यों, परंपराओं और राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा की याद दिलाते हैं। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव अवसर पर सभी पुलिस कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए राष्ट्रभक्ति के माहौल को जीवंत बनाया है।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में हुईं खेलकूद स्पर्धाएं

रेवाड़ी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी धर्मबीर बल्डोदिया ने किया। इस मौके पर उन्होंने दक्षिण हरियाणा की शिक्षा में यदुवंशी स्कूल के महत्वपूर्ण योगदान का जिक्र किया। उन्होंने स्कूल के चेयरमैन राव बहादुर सिंह के शिक्षा जगत में योगदान की सराहना की। प्रतियोगिता में छोटे बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर स्कूल की डीन मुकेश यादव ने बच्चों को शुभकामनाएं दी। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने बच्चों को खेल एवं शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया एवं बच्चों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सभी शिक्षक भी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

शहर में यात्रा के साथ नगर कीर्तन का होगा आयोजन

रेवाड़ी। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जा रही हिंद की चादर शहीदी यात्रा सोमवार को शहर में पहुंचेगी। यह यात्रा गुरु तेग बहादुर के बलिदान, शिक्षाओं और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रतीक है। यह यात्रा 16 नवंबर को कापड़ीवास, धारूहेड़ा से आगमन के बाद संत कुटिया उत्तम नगर दिल्ली रोड पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु संगत इसका भव्य स्वागत करेगी। इसके उपरांत यह यात्रा धारूहेड़ा चुंगी-अम्बेडकर चौक-बस स्टैंड से होते हुए अग्रसेन चौक पर पहुंचेगी। अग्रसेन चौक पर सिख समाज द्वारा गतका प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

भारत सांस्कृतिक गतिविधियों का देश : उर्मिला

रेवाड़ी। अहीर महाविद्यालय में बाल दिवस पर अनेक सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सांस्कृतिक समिति, इतिहास विभाग व हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने किया। उर्मिला शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारत विभिन्न संस्कृतियों का देश है। यहां विभिन्न संस्कृतियों के लोग आपस में मिल-जुलकर सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद उठाते हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत कविता पाठ, भाषण, संगीत, नाटक कला, नृत्य आदि प्रस्तुतियां दी गई। सांस्कृतिक समिति प्रभारी डा. जयभगवान ने बताया कि आयोजित गतिविधियों में विद्यार्थियों ने अधिकाधिक भागीदारी दी।

पंच परिवर्तन से विकसित भारत थीम पर युवा महात्सव कल से

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में 17 और 18 नवंबर को पंच परिवर्तन से विकसित भारत थीम पर होने वाले इंटर जोनल युवा महोत्सव हिंडोला-2025 की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह की अध्यक्षता में विभिन्न महाविद्यालयों के सभी प्राचार्यों के साथ मीटिंग की गई। उन्होंने केएलपी कॉलेज, रेवाड़ी एवं आरपीएस कॉलेज, महेंद्रगढ़ के अंतर्गत सफलतापूर्वक आयोजित किए गए जोनल युवा महोत्सव के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने 6 स्टेजों पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न प्रतिस्पधार्ओं में भाग लेने वाली सभी महाविद्यालयों की टीमों को क्रम संख्या एवं कोड वितरित किए। उन्होंने बताया कि डे-टू-डे शेड्यूल कार्यक्रम की रूपरेखा का विस्तृत विवरण सभी महाविद्यालयों को वितरित कर दिया गया है। उन्होंने सभी प्राचार्यों से विद्यार्थियों के द्वारा अनुशासन एवं व्यवस्था प्रबंधन बनाए रखने के लिए आह्वान किया। इस मीटिंग में निदेशक छात्र कल्याण प्रोफेसर अदिति शर्मा, सहायक निदेशक युवा कल्याण डॉ. सुशांत यादव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। सभी समितियों के संयोजक एवं सदस्य कड़ी मेहनत के साथ अपने कार्यों में लगे हुए हैं।

पुष्प अभियान के तहत वितरित किए गए पौधे

रेवाड़ी। पुष्प अभियान के तहत रेवाड़ी और कोसली में एक संस्था के संचालक देवेंद्र रुस्तगी व उनके सहयोगी सेवानिवृत्त प्राचार्य राजीव रुस्तगी ने फूलों के पौधों का निशुल्क वितरण किया। शहर में अभियान का शुभारंभ बीआरसी ऑफिस परिसर में निशांत यादव ने किया। इसके तहत विभिन्न विद्यालयों और नागरिकों को फूलों के पौधे वितरित किए गए। कोसली में अभियान का शुभारंभ विधायक अनिल यादव ने किया।

जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालयों में जागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा के निर्देशन में जिला के समस्त विद्यालयों में जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित निबंध लेखन सहित अन्य प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिला परियोजना अधिकारी राजेंद्र शर्मा ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस पर जिलेभर के स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम किए गए। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा एक महान योद्धा होने के साथ-साथ समाज सुधारक भी थे। आदिवासी समाज में जागृति लाने का कार्य किया। वहीं समाज के समस्त लोगों को प्रकृति से प्रेम करने की अलख भी जगाई। विद्यार्थियों को संत और वीर-महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए उनके विचारों का जीवन में अनुसरण करना चाहिए। विद्यार्थियों से कहा कि हमें भी पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे और प्रकृति के दोहन को रोकना होगा।

विभिन्न प्रतियोगिएं आयोजित

जिला परियोजना अधिकारी ने बताया कि विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों द्वारा प्रकृति प्रेमी आदिवासी समाज में जागरूकता की अलख जगाने वाले भगवान बिरसा मुंडा की जीवन पर आधारित निबंध लेखन, भाषण व कविता आदि प्रतियोगिताएं करवाई गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढकर प्रतिभागिता दर्ज की। विद्यालयों में सांस्कृतिक और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों को जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में सहभोज का आयोजन भी किया गया।

दयालु योजना का लाभ उठाएं लोग पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

रेवाड़ी। किसी भी नागरिक की सड़कों पर घूम रहे पशुओं से होने वाली दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता होने पर दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए दयालु योजना पोर्टल का सरलीकरण किया गया है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रदेश में दयालु-2 योजना पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि दयालु-2 पोर्टल सरकार की पारदर्शी और सरल सेवा वितरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस डिजिटल पहल से पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ और अधिक तेजी व सटीकता के साथ मिलेगा। योजना का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में भेजा जाएगा। डीसी ने बताया कि दयालु योजना के तहत किसी नागरिक की सडकों पर घूम रहे पशुओं से दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता हो जाने पर उन परिवारों को एक लाख से पांच लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा चोट के लिए न्यूनतम 10 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए परिवार पहचान पत्र के तहत पंजीकृत होना अनिवार्य है।

कमेटी लेगी राशि के लिए अंतिम निर्णयः डीसी ने बताया कि सहायता राशि के लिए जिला स्तर पर गठित समिति अंतिम निर्णय लेगी। जिला सांख्यिकी अधिकारी दावों के समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। इस योजना का लाभ लेने के लिए नागरिक पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा संचालित जन सहायक मोबाइल एप के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है।

अभियान डीजीपी ओपी सिंह के आदेश पर मुहिम शुरू की गई

पुलिस का ऑपरेशन ट्रैक डाउन, इनामी सहित तीन आरोपी चढ़े हत्थे, डीजीपी के आदेश पर बढ़ी सक्रियता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

डीजीपी ओपी सिंह के आदेश पर जिला पुलिस ने ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत अपराधियों को काबू करने के लिए जो मुहिम शुरू की हुई है, उसके तहत एक इनामी बदमाश सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पांच हजार रुपये का इनामी बदमाश कई दिनों से फरार चल रहा था।

सीआईए धारूहेड़ा प्रभारी निरीक्षक योगेश हुड्डा की टीम ने गत 7 मई की रात को गांव मुरादपुरी निवासी एक व्यक्ति का अपहरण कर लुटपाट करने के मामले में संलिप्त एक 5 हजार रुपए के इनामी वांछित आरोपी दीपक निवासी मोहल्ला मालीटीबा हाल आबाद मोहल्ला रामनगर नारनौल जिला महेंद्रगढ़ को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इससे पूर्व थाना कसौला के इस मामले में एक 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी कर्मवीर उर्फ मोनू निवासी गांव गंडाला जिला कोटपुतली बहरोड़ राजस्थान को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। दूसरे मामले में कसौला थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि उनकी टीम ने गत 2 नवम्बर को गांव पातूहेड़ा में आपसी रंजिश के चलते गांव आसलवास निवासी एक पिता व पुत्र का रास्ता रोककर गाली गलोच करने तथा हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में संलिप्त एक वांछित आरोपी अनिल निवासी गांव पातूहेड़ा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इससे पूर्व इस मामले में दो आरोपी नीरज व अमित को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

रेवाड़ी। विभिन्न मामलों में काबू किए गए आरोपी। *फोटो : हरिभूमि*

नशीला पदार्थ बेचने के मामले में काबू

तीसरा मामले में रामपुरा थाना प्रभारी पीएसआई संजय कुमार की टीम ने गांजा तस्करी के मामले में संलिप्त दूसरे आरोपी कृष्ण निवासी मोहल्ला आदर्श नगर कुतुबपुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इससे पूर्व गत 30 अक्टूबर को पुलिस ने इस मामले में मोहल्ला गुलाबी बाग निवासी भीम को 1 किलो 440 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा सहित गिरफ्तार कर लिया गया था। आरोपी भीम ने बताया था कि उसे यह नशीला पदार्थ कृष्ण ने उसे मुहैया कराया था। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

संगीन अपराधों के आरोपी चिन्हित

ऑपरेशन ट्रैक डाउन अभियान के तहत जिला पुलिस ने संगीन मामलों के कई बदमाश चिन्हित का लिए हैं। इन आरोपियों को जल्द ही सलाखों के पीछे भेजने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान से अपराध अंकुश पर सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं तथा अपराधों में कमी आई है। **-हेमेंद्र कुमार मीणा,** एसपी।

सर छोटूराम जयंती के साथ मनेगा संविधान दिवस

रेवाड़ी। जाट समाज के प्रवक्ता व भाकियू के प्रदेश महासचिव रामकिशन महलावत ने कहा कि इस बार सर छोटूराम जयंती पर 25 नवंबर को जाट धर्मशाला में संविधान दिवस भी मनाया जाएगा, जिसमें जाट समाज के साथ-साथ अनुसूचित जाति के सभी संगठनों को आमंत्रित किया जाएगा। शनिवार को जाट धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रामकिशन महलावत ने कहा कि संविधान दिवस और दीनबंधु सर छोटूराम जयंती दोनों एक ही दिन हैं। दीनबंधु सर छोटूराम ने हमेशा कमजोर और गरीब तबके के लोगों के उत्थान की दिशा में काम किया। उन्होंने शोषित वर्ग को मुख्यधारा में लाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए। जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए वह हमेशा आगे रहे। इसी तरह संविधान निर्माता डा. भीमराम अंबेडकर ने दलित व शोषित वर्ग के लोगों के उत्थान की दिशा में काम किया। उनके बनाए गए संविधान ने हर वर्ग के लोगों को समानता का अधिकार दिया।

समाज के लोगों को सौंपी जिम्मेदारियांः इससे पूर्व समाज व अनुसूचित जाति संगठनों के पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। इस बैठक में 25 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम की जिम्मेदारियां सौंपी गई। महलावत ने बताया कि समारोह में अखिल भारतीय जाट महासभा के महासचिव चौ. युद्धवीर सिंह सहरावत चीफ गेस्ट होंगे, वरिष्ठ अधिवक्ता बलराज मलिक और सुरेश द्रविड़ विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इस मौके पर पूर्व डीईओ राजकुमार जलवा, सूरत सिंह, ईश्वर सिंह व कई अन्य जाट नेता मौजूद थे।

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से विवश दुनिया भर के पुरुष

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी क्रिएटेड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

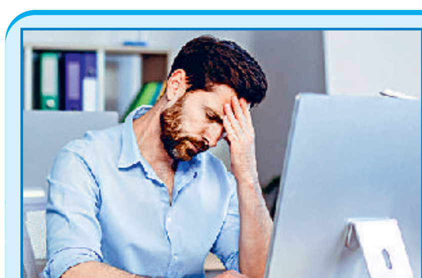

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फाः वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरीः जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरीः चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटेंः बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

पुस्तकः शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह)
रचनाकारः मनोज मोहन,
मूल्यः200 रु, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

गोवा को आमतौर पर शानदार सी बीचेज वाले स्थल, हनीमून और मस्ती भरे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर जाना जाता है। लेकिन गोवा में ऐसे कई लोकेशंस भी हैं, जो हमें इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराते हैं। जानिए, गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही ऑफबीट टूरिस्ट प्लेसेस के बारे में।

टूरिस्ट स्पॉट

बुशरा फातमा

इतिहास-संस्कृति से रूबरू कराते गोवा के ये अनोखे पर्यटन स्थल

कुर्डी गांव

रिवोना केव

हालांकि भारत के लगभग हर राज्य में ऐसे स्थल मौजूद हैं, ऐसी ढेरों कहानियां और किस्से सुनने-पढ़ने को मिल जाएंगे, जिसमें उस स्थान और अपने देश से जुड़े गौरवशाली इतिहास का ब्यौरा मिलता है। गोवा में भी ऐसे कई कम चर्चित स्थल मौजूद हैं। खूबसूरत सी बीचेज के लिए, दुनिया भर में फेमस गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही लोकेशंस के बारे में आपको बता रहे हैं, जहां इतिहास और संस्कृति का मिला-जुला संगम देखने को मिलता है।

बुड़बुड़ ताली

साउथ गोवा के नेत्रावली में एक अनोखा तालाब मौजूद है, जिसे बुड़बुड़ ताली या बबल लेक के नाम से जाना जाता है। करीब 400 साल पुराना यह तालाब गोपीनाथ मंदिर के प्रांगण में मौजूद है, जहां सिर्फ ताली बजाने या किसी तेज आवाज से ही तालाब के नीचे से पानी के ऊपर की तरफ बुलबुले बनने लगते हैं। यहां के स्थानीय लोगों में इस तालाब को लेकर बहुत श्रद्धा है। हालांकि साइंटिस्ट्स इस प्रभाव के लिए किसी रासायनिक क्रिया और गैस को जिम्मेदार मानते हैं। कुदरत के करिश्मे वाले इस अनोखे तालाब को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

उसगलीमल शिलालेख

साउथ गोवा के उसगलीमल गांव में मौजूद यह शिलालेख, करीबन 4 हजार से 6 हजार साल पुराना है। सालों तक इस गांव से बहती कुशावती नदी की गोद में छुपे ये शिलालेख लोगों की नजरों से दूर थे। 1993 में जब गांव वालों की नजर नदी के किनारे पत्थरों पर अलग-अलग आकृतियों पर पड़ी तो उन्होंने पुरातत्व विभाग को खबर दी। पता चला ये हजारों साल पहले, शायद मध्य पाषाण युग का समय था, जब इंसान अपने आस-पास की चीजों को देखकर उनकी आकृति पत्थरों पर उकेरा करता था। इन आकृतियों में जानवर, तरह-तरह के रास्ते और पैरों के निशान देखने को मिलते हैं। अगर आप इतिहास और पुरातात्विक अवशेषों में रुचि रखते हैं, तो गोवा के इस जगह पर आपको जरूर जाना चाहिए। घने जंगल और कुशावती नदी का यह हिस्सा आपका मन मोह लेगा।

कुर्डी गांव

सन 1960 तक सांगेम तालुका नामक स्थान पर मौजूद कुर्डी गांव एक अच्छा-खासा बसा-बसाया गांव हुआ करता था। हिंदू, मुस्लिम और कैथलिक समुदाय की समृद्ध आबादी यहां निवास करती थी। सन 1960 में जब साउथ गोवा को ज्यादा मात्रा में पानी मुहैया करवाने के लिए, सलौलिम डैम बनाने का प्रस्ताव आया तो सबसे पहले कुर्डी गांव को खाली करवाया गया। ये पूरा गांव पानी के अंदर समा गया ताकि डैम का पानी सुचारू रूप से बह सके। मई महीने में जब पानी का स्तर कम होता है तब गांव का कुछ हिस्सा पानी के बाहर दिखाई देता है। वे लोग, जो अपना घर बार छोड़कर दूसरी जगह बस गए वो मई महीने में यहां आकर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं। हर साल तीनों समुदाय के लोग यहां आकर अपने-अपने धार्मिक जगहों की स्मृति में उत्सव मनाते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक भी यहां जुटते हैं।

रिवोना केव

साउथ गोवा में स्थित रिवोना केव यानी रिवोना गुफाओं को उस दौर का ऐतिहासिक स्थल माना जाता है, जब गोवा में मानव समुदाय की बस्ती बसनी शुरू हो हुई थी। माना जाता है कि इस जगह पर उस समय के बुद्धिमान लोग ही आकर बसते थे। मान्यता है कि यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी भी रहा करते थे। 7वीं शताब्दी की इन गुफाओं को देखने के लिए यहां देश-विदेश से काफी पर्यटक आते हैं। *

इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी करते हैं बदलते मौसम की तैयारी

हम इंसान तो तकनीकों के जरिए मौसम में आने वाले बदलावों का पता लगाकर उसके हिसाब से अपनी तैयारी करते हैं। लेकिन प्रकृति ने कई पशु-पक्षियों को ऐसी क्षमता नैसर्गिक रूप से प्रदान की है। ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में जानिए।

रोचक / अपराजिता

पशु-पक्षी भले इंसानों की तरह तेज दिमाग के न होते हों, लेकिन इंसानों की ही तरह आने वाले मौसम की दुश्वारियों से बचने के लिए अपने स्तर पर वे भी बाकायदा योजनाबद्ध ढंग से तैयारी करते हैं। जिस तरह मौसम बदलने से पहले इंसान गर्म कपड़ों, छत की मरम्मत या पंखे, कूलर आदि को दुरुस्त कर लेते हैं, उसी तरह धरती के दूसरे पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की चुनौतियों के लिए अपनी ही सूझबूझ और योजनाबद्धता से तैयारी करते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि इंसानों के विपरीत ये पशु-पक्षी ऐसी तैयारियां बिना किताबें पढ़े, बिना मौसम विभाग की चेतावनी सुने ही करते हैं। क्योंकि इनके पास न रेडियो होता है, न प्रकृति की गतिविधियों की सूचना देने वाला इनके लिए कोई जरिया होता है। दरअसल, खुद कुदरत ने ही इन्हें अनुमान लगाने की अद्भुत क्षमता दी है, ये उसी के आधार पर अपने सहज ज्ञान और जैविक अनुभव प्रवृत्तियों के जरिए मौसम की बदलती करवटों के लिए महीनों पहले से ही तैयारी में जुट जाते हैं।

कोयल की कूक का संकेत: भारत के ग्रामीण परिवेश में बहुत सारी जानकारियों को अखबारों, रेडियो या किताबों से नहीं, पशु-पक्षी की गतिविधियां देखकर जानी, समझी जाती हैं। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुर स्वर आ गया है, तो इसका मतलब यह है कि वह बदलते तापमान के प्रभाव में अपने प्रजनन चक्र को समायोजित करने की कोशिश में है। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुरता है, तो पतझड़ निकट है, क्योंकि मार्च, अप्रैल में जब पेड़ों पर नई कोंपलें फूटती हैं, उसी समय कोयल, कौवे के घोंसले में चुपके से अंडे दे देती है, इसे विषय के जानकार लोग 'ब्रूड पैरासिटिज्म' कहते हैं यानी जब तपती गर्मी आए, तो उसके बच्चे किसी अन्य पक्षी की देखभाल में सुरक्षित पलें। कहने का मतलब यह है कि कोयल खुद मौसम की कठिनाइयों को समझकर पहले से ही अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा सुनिश्चित कर लेती है।

हाथी बताता है जल का स्रोत: हाथी एक ऐसा पशु है, जो भारत में मानसून और सूखे दोनों का बहुत सटीक तरीके से अंदाजा लगा लेता है। सूखा पड़ने से पहले वह झुंड बनाकर लंबी यात्राएं शुरू कर देता है और उस ओर बढ़ता है, जहां जलस्रोत होते हैं। राजस्थान और मध्य भारत के जंगलों में हाथियों का यह जलप्रवास, वर्षों पुराने जलस्रोतों की उनकी स्मृतियों पर आधारित होते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि वे भूमि की नमी, पौधों के मुरझाने और हवा की गंध से पानी की कमी का किसी भी वैज्ञानिक डिवाइस से ज्यादा सटीक अनुमान लगा लेते हैं।

अबाबील देती है मानसून का संदेश: इस छोटी-सी चिड़िया को भारत में मानसून की संदेशवाहक भी कहते हैं। दरअसल, अबाबील, हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका या दक्षिण भारत से उड़कर गर्म और आर्द्र इलाकों में आती है।

वैज्ञानिकों ने सालों निगरानी के बाद यह पाया है कि अबाबील पक्षी केवल भोजन की तलाश के लिए प्रवास नहीं करती। इसके इस प्रवासन चक्र में मौसम जनित सुरक्षा की भी योजना छिपी होती है। जब उत्तर भारत में सर्दी बढ़ती है और कीट-पतंगे बेहद कम हो जाते हैं, तब यह अबाबील दक्षिण भारत की ओर उड़ जाती है और जैसे ही गर्मियां लौटती हैं, यह भी अपने पुराने घर की ओर लौट आती है। ग्रामीण भारत में लोग अबाबील देखकर अनुमान लगाते हैं कि अब बारिश बस आने ही वाली है। वास्तव में यह पक्षी वातावरण के दबाव और आर्द्रता के सूक्ष्म बदलाव को बहुत बारीकी से महसूस कर लेती है।

इस तरह देखें तो इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की दुश्वारियों से खुद को बचाने के लिए अपने ज्ञान, पूर्वानुमान और कठोर अनुशासन का इस्तेमाल करते हैं। *

जल संचित कर लेते हैं ऊंट

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज माना जाता है, क्योंकि वह रेगिस्तान में दूसरे किसी भी वाहन से ज्यादा बेहतर और सहजता से रह लेता है। लेकिन ऊंट सिर्फ रेगिस्तान के बारे में ही इतनी सटीकता से नहीं जानता बल्कि वह रेगिस्तान के सबसे कठोर मौसम में जीवित रहने की कला भी भलीभांति जानता है। यही वजह है कि जब राजस्थान में गर्मी अपने चरम पर होती है, तो वह न केवल अपने शरीर में पानी की खपत को नियंत्रित कर लेता है बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से उसका शरीर पानी को पुन: अवशोषित करने की क्षमता भी रखता है। इसी के चलते वह कई दिनों तक बिना पानी पीए भी रह लेता है, लेकिन यही ऊंट मानसूनी संकेत मिलने पर जरूरत से कई गुना ज्यादा पानी पीता है। अपने शरीर में फैट वाटर रिजर्व भी बना लेता है। वास्तव में यह उसकी छठी इंद्री का मौसम प्रबंधन है, जो रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में उसके जीवन को संभव बनाता है।

अवेयरनेस

शिखर चंद जैन

घर में सुविधायुक्त टॉयलेट, हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण और गरिमापूर्ण जीवन के लिए भी बहुत जरूरी है। वर्ल्ड टॉयलेट-डे, 19 नवंबर पर बता रहे हैं इससे जुड़ी कुछ रोचक बातें।

सभी के लिए है जरूरी स्वच्छ-सुविधायुक्त टॉयलेट

हर साल 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे यानी विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। आप सोच रहे होंगे कि भला शौचालय के लिए भी कोई दिन मनाने की क्या जरूरत है! आपको बता दें कि भले ही आपके घर में सुविधायुक्त शौचालय है, लेकिन दुनिया में आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके पास सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय नहीं हैं। विश्व शौचालय संगठन द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, विश्व में लगभग एक अरब लोग आज भी खुले में शौच करते हैं। ऐसे में यह दिन हमें यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि शौचालय हमारे स्वास्थ्य, सम्मान और पर्यावरण के लिए कितना जरूरी है।

विश्व शौचालय दिवस का इतिहास: विश्व शौचालय दिवस की शुरुआत 2001 में हुई थी। स्वास्थ्य और जन सरोकार विशेषज्ञों की सलाह पर स्वच्छता के मुद्दों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व शौचालय संगठन की स्थापना की गई। वर्षों की अंतरराष्ट्रीय बहस और सिफारिश के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में आधिकारिक तौर पर विश्व शौचालय दिवस को वार्षिक आयोजन के रूप में घोषित किया। यह दिवस 2030 तक सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

बुनियादी जरूरत है शौचालय: इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस की थीम 'बदलती दुनिया में स्वचछता' और स्लोगन है 'हमें हमेशा शौचालय की आवश्यकता होगी'। इस साल की थीम और स्लोगन का मुख्य संदेश यह है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, जितनी भी नई तकनीकें आ जाएं, हम चाहे कितने ही एडवांस हो जाएं, शौचालय की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी। यह कोई लग्जरी नहीं बल्कि एक बुनियादी जरूरत है। हर घर में शौचालय होना तो आवश्यक है ही। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम शौचालय का इस्तेमाल करते समय और उसके बाद कुछ बातों का ध्यान रखें।

फ्लश करते समय रखें ध्यान: टॉयलेट में फ्लश हमेशा ढक्कन लगाकर करें क्योंकि टॉयलेट फ्लश आपके टॉयलेट से छह फीट की ऊंचाई तक कीटाणुओं को बाहर निकाल सकता है। हर बार जब आप टॉयलेट फ्लश करते हैं, तो कीटाणु हवा में उड़ जाते हैं और आपके बाथरूम में घूमकर आपके टॉयलेट के आस-पास की जगहों और वस्तुओं जैसे-टूथब्रश, साबुन आदि पर भी पहुंच सकते हैं। अगर आपके टॉयलेट सीट में ढक्कन नहीं है, तो टॉयलेट फ्लश करने के बाद तुरंत बाहर निकल जाएं।

हाथ अच्छे से धोएं: टॉयलेट यूज करने के बाद बहुत अच्छी तरह से हाथ धोना जरूरी है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग 20 प्रतिशत लोग शौचालय जाने के बाद अपने हाथ नहीं धोते। जो लोग धोते भी हैं, उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि बाथरूम के कीटाणुओं को मारने के लिए साबुन से लगभग 15 से 20 सेकेंड तक अच्छी तरह हाथ धोने की सलाह दी जाती है। निराशाजनक बात यह है कि केवल 5 प्रतिशत लोग ही 15 सेकेंड या उससे ज्यादा समय तक हाथ धोते हैं।

टॉयलेट पेपर का हो सीमित इस्तेमाल: टॉयलेट पेपर का आवश्यकतानुसार सीमित उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए। इसे एक्स्ट्रा वेस्ट करने से बचना चाहिए। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि अमेरिकी प्रति वर्ष 433 मिलियन मील टॉयलेट पेपर का उपयोग करते हैं, जो पृथ्वी से सूर्य तक जाने और वापस आने की सम्मिलित दूरी के बराबर है।

शौचालय में स्मार्टफोन है खतरनाक: लगभग 75 प्रतिशत स्मार्टफोन धारक शौचालय में अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें टेक्स्ट मैसेज भेजना, फोन कॉल करना, वेब सर्फिंग और ऑनलाइन शापिंग शामिल है। यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक आदत तो है ही, अगर फोन टॉयलेट में गिर जाए तो यह जेब पर भी भारी पड़ सकता है। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले लोग अधिक देर तक शौचालय में बैठे रहते हैं, क्योंकि उनका ध्यान फोन पर रहता है। शौचालय की सीट पर लंबे समय तक बैठने से पाइल्स हो सकता है।

पब्लिक टॉयलेट के इस्तेमाल में बरतें सावधानी: व्यापक सर्वे और अध्ययन के बेस पर विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आप किसी सार्वजनिक शौचालय में सबसे साफ शौचालय का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पंक्ति में सबसे पहले वाले शौचालय कक्ष (जो दरवाजे या सिंक के सबसे पास हो) का ही इस्तेमाल करें। यह आमतौर पर सबसे कम यूज किया जाता है और इसलिए तुलनात्मक रूप से अधिक साफ होता है।

सबसे गंदा स्थान नहीं है टॉयलेट: आपको यह जानकार हैरानी होगी कि औसत रसोईघर के चॉपिंग बोर्ड पर शौचालय की सीट की तुलना में लगभग 200 प्रतिशत अधिक बैक्टीरिया होते हैं। इससे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि स्मार्टफोन में टॉयलेट हैंडल की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। एक औसत डेस्क पर एक औसत शौचालय सीट की तुलना में 400 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। *

सबसे महंगा टॉयलेट

अमेरिकन स्पेस एजेंसी नासा ने हाल ही में स्पेस शटल के लिए एक सक्शन टॉयलेट डिजाइन करने पर 23.4 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं, जो 850 लीटर वायु प्रवाह प्रति मिनट की सक्शन तकनीक के साथ शून्य गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देगा। यह दुनिया का अब तक को सबसे महंगा टॉयलेट है।

सिने ट्रेंड

कैलाश सिंह

शादी, बॉलीवुड फिल्मों का एक सदाबहार विषय रहा है। शादी पर केंद्रित और इसके इर्द-गिर्द फिल्में और गाने बॉलीवुड में बनते रहे हैं। इनमें से कई फिल्में और गाने सुपर-डुपर हिट रहे। इन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। विवाह-केंद्रित ऐसी ही कुछ बेहतरीन फिल्मों और गानों पर एक नजर...

हिंदी फिल्मों में खूब दिखी है शादी-ब्याह की बहुरंगी छटा

'हम आपके हैं कौन' में सलमान-माधुरी दीक्षित

'विकी डोनर' में आयुष्मान के साथ यामी गौतम

भारतीय समाज में कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर वर्ग और समाज में शादी समारोह का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। शायद यही वजह है कि बॉलीवुड की कई फिल्मों की कहानियों के केंद्र में भी शादी समारोह को रखा गया है। चाहे वह परंपरागत अरेंज मैरिज हो, लव मैरिज हो, भागकर की गई शादी हो, अमीर-गरीब के बीच शादी हो, अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह हो या दो अलग-अलग संस्कृति या भाषा से संबंधित लोगों की शादी हो।

वेडिंग एलबम जैसी 'हम आपके हैं कौन': साल 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' वेडिंग फंक्शन पर केंद्रित एक बेहतरीन फिल्म है। फिल्म के केंद्र में यूं तो प्रेम (सलमान खान) और निशा (माधुरी दीक्षित) की लव स्टोरी, अपने परिवार के लिए त्याग की भावना है। लेकिन यह वास्तव में अभिभावकों द्वारा तय किए गए परंपरागत हिंदू विवाह का प्रभावी ढंग से तैयार किए गए शादी के वीडियो एलबम की तरह है। फिल्म में दो दोस्त जब बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो आपस में अपने बच्चों की शादी कराने का निश्चय करते हैं और फिर एक परंपरागत विवाह का सिलसिला आरंभ हो जाता है। लड़के और लड़की की मुलाकात घर से बाहर अलग स्थान पर कराई जाती है। वे एक-दूसरे को पसंद कर लेते हैं। फिर उनकी सगाई होती है और बाद में लड़के वाले बारात लेकर कन्या पक्ष के घर पहुंचते हैं। फिल्म में जूते चुराने के रस्म से लेकर शादी से संबंधित अनेक रस्मो-रिवाज को खूबसूरती से दिखाया गया है। जूते चुराने की रस्म पर केंद्रित गाना 'जूते दे दो पैसे ले लो' फिल्माया गया है। इसके अलावा भी फिल्म में कई सिचुएशंस पर बेहतरीन गीत पिरोए गए हैं।

'मेरे महबूब' में राजेंद्र कुमार-साधना

परंपरागत विवाह पर बनी फिल्में: देखा जाए तो उत्तर भारत में परंपरागत हिंदू विवाह और परंपरागत मुस्लिम शादी में कोई विशेष अंतर नहीं है। यहां शादी में फेरों की जगह काजी को बुलाकर निकाह पढ़वाया जाता है। मां-बाप द्वारा रिश्ता तय करना, सगाई, बारात, जूते चुराई, विदाई जैसी कई रस्में हिंदू और मुस्लिम समाज की शादियों में समान रूप से देखी जा सकती हैं। 'बहू बेगम', 'मेरे हुजूर', 'मेरे महबूब' आदि फिल्मों में शादी की इन रस्मों को बखूबी प्रस्तुत किया गया है। बी.आर. चोपड़ा ने तो अपनी फिल्म 'निकाह' में शादी के साथ-साथ तीन तलाक जैसे संवेदनशील मुद्दे को भी उठाया है।

पंजाबी-एनआरआई परिवार की 'मानसून वेडिंग': मीरा नायर की 2001 में आई फिल्म 'मानसून वेडिंग', दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में शादी के आयोजन और इस दौरान होने वाले उथल-पुथल पर केंद्रित है। फिल्म में ललित वर्मा और उनकी पत्नी पिम्मी अपनी बेटी अदिति की शादी एक एनआरआई हेमंत राय से तय करते हैं। जैसा कि भारतीय समाज में अकसर होता है, इस प्रकार के विवाह में एक बार पूरा विस्तृत परिवार दुनिया भर से आकर एक जगह एकत्र हो जाता है और अपने साथ अपना भावनात्मक अतीत भी लेकर आता है। शादी की तैयारियों के बीच पारिवारिक चुगलियां, राजनीति, साजिशें, हंसी-मजाक, मौज-मस्ती आदि सब कुछ चल रहा होता है और नए प्रेम समीकरण भी विकसित होते हैं। फिल्म को इतनी खूबसूरती से बुना गया है कि 'मानसून वेडिंग' हर किसी को अपने ही परिवार की शादी जैसी लगने लगती है।

इंटरकल्चरल मैरिज पर आधारित 'विक्की डोनर': सुजीत सरकार की 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'विक्की डोनर' में दो अलग-अलग संस्कृतियों से ताल्लुक रखने वाले जोड़े के विवाह को दिखाया गया है। फिल्म में विक्रम उर्फ विक्की (आयुष्मान खुराना) का ताल्लुक पंजाबी अरोड़ा परिवार से होता है, जबकि अशिमा रॉय (यामी गौतम) बंगाली होती है। संतानहीन परिवारों को मोटी रकम के बदले में अपना स्पर्म डोनेट करने वाला विक्की और तलाकशुदा बैंक कर्मचारी अशिमा एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सांस्कृतिक भिन्नता के कारण दोनों को ही अपने-अपने परिवारों से विरोध का सामना करना पड़ता है। आखिरकार सब कुछ ठीक हो जाता है।

इनमें भी दिखे शादी के अलग-अलग रंग: 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म में गुजराती शादियों को उनके पारंपरिक रूप में दिखाया गया है। 'हम साथ साथ हैं' में शादी और पारिवारिक रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया है। आजकल की कई फिल्मों में विवाह को प्रेम, करियर और पहचान के संघर्षों की पृष्ठभूमि में दिखाया गया है, जैसे 'वीरे दी वेडिंग' फिल्म में। 'बैंड बाजा बारात' जैसी फिल्में शादी की योजना और आयोजन को नाटकीय अंदाज में प्रदर्शित करती हैं, जिनमें वेन्यू प्रबंधक, दूल्हा-दुल्हन के परिवार के साथ मिलकर तैयारी करते हैं। *

पॉपुलर हुए विदाई के ये गीत

शादी के बाद दुल्हन की विदाई का वक्त कुछ ऐसा होता है, जब मिलन और जुदाई, खुशी और आंसू एक साथ एक ही समय व्यक्त हो रहे होते हैं। हिंदी फिल्मों में विदाई के सिचुएशन पर अनेक गीत बने हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'छोड़ बाबुल का घर, मोहे पी के नगर आज जाना पड़ा' (बाबुल), 'खुशी-खुशी कर दो विदा, तुम्हारी बेटी राज करेगी' (अनोखी रात), 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नील कमल) आदि कई ऐसे सदाबहार विदाई के गीत हैं, जो आज भी हिंदी पट्टी की शादियों में विदाई के समय खासतौर से बजाए जाते हैं।